स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम एक संबोधन में कहा कि भारत जैसे विशाल देश में कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करना होगा।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:245 दिनांक:15-08-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ओलंपिक फाइनल से पहले अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की अपील खेल पंचाट (सीएएस) के तदर्थ प्रभाग ने खारिज कर दी है। भारतीय ओलंपिक संघ ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आज 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा देश

जमीन से आसमान तक रहेगा कड़ा पहरा, लगातार 11वीं बार लाल किला से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंग पीएम मोदी

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में गुरूवार यानी 15 अगस्त को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां चल रही है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार लाल किले से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद पीएम मोदी देशवासियों को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस बार लाल किले पर समारोह देखने के लिए करीब 6,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल को भी इस समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस को लेकर लाल किले पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को देखते हुए दिल्ली की सीमाएं सील कर दी कई हैं। जमीन से आसमान तक सुरक्षाबलों का कड़ा पहरा बैठा दिया गया है। राजधानी के हर कोने और चौराहे पर जवानों की तैनाती की गई है।

राजधानी दिल्ली को तिरंगे के रंग में सजाया जा रहा है। लाल कोट को दुल्हन की तरह तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त की सुबह 7:30 बजे लाल किला की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फराएंगे। 15 अगस्त, 2024 को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल कोट से 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने में राष्ट्र का नेतृत्व करेंगे।

पीएम मोदी लाल कोट से देश को करेंगे संबोधित

इसके बाद पीएम मोदी लाल कोट की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जानकारी के अनुसार, इस स्वतंत्रता दिवस समारोह में करीब 6,000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित दिया गया है। बता दें कि इस बार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में पंचायती राज संस्थाओं की करीब 400 महिला प्रतिनिधियों को विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। जानकारी के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए करीब 45 लखपति दीदी और करीब 30 ड्रोन दीदी को भी विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल कोट से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके बाद पीएम मोदी देशवासियों को संबोधित करेंगे।

50 हजार सुरक्षा कर्मी किए गए तैनात

जमीन से आसमान तक कड़ा पहरा रहेगा। राजधानी को पुलिस और अद्र्ध सैनिक बलों के हवाले कर दिया गया है। एक भी व्यवसायिक वाहन को दिल्ली में प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा। लाल किला के चारों तरह की सडक्रों और पीएम रूट पर जगह-जगह पुलिस और अद्र्ध सैनिक बल तैनात कर दिए गए हैं। करीब 50 हजार सुरक्षा कर्मियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। पूरी दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट है। कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। बता दें इस बार पंचायती राज संस्थाओं की करीब 400 महिला प्रतिनिधियों को लाल किले पर आयोजित 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। पंचायती राज मंत्रालय खुद मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी थी। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए करीब 45 'लखपति दीदी' और करीब 30 'ड्रोन दीदी' को भी विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

जम्मू-श्रीनगर में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और यहां से गुजरने वाले वाहनों पर पैनी नजर रखी जा रही है। सुरक्षा बल राजमार्ग से गुजरने वाले वाहनों की चेकिंग कर रहे हैं।

अवकाश सूचना

दि.१५-०८-२०२४ गुरूवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में जनहितैषी कार्यालय में अवकाश रहेगा अत: दि. १६-०८-२०२४ शुक्रवार को समाचार पत्र प्रकाशित नही होगा। दि.१७-०८-२०२४ शनिवार से अंक नियमित प्रकाशित होगा।

-सम्पादक

खेल पंचाट न्यायालय ने ख़ारिज की विनेश फोगाट की याचिका, नहीं मिलेगा कोई मेडल ?

नई दिल्ली (ईएमएस)

खेल पंचाट न्यायालय ने विनेश फोगाट मामले को खारिज कर दिया है। खेल पंचाट न्यायालय के तदर्थ प्रभाग ने पेरिस ओलंपिक में दूसरे दिन के वजन माप में 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण महिलाओं की 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ विनेश फोगट की अपील पर अपना फैसला सुनाने के लिए तीन दिन का और समय दिया था जो फैसला 16 अगस्त (भारतीय समयानुसार रात 9:30 बजे) को सुनाया जाना था।

आईओए ने मंगलवार को जारी एक बयान में कही थी ये बात

खेल पंचाट न्यायालय के तदर्थ प्रभाग के अध्यक्ष ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ डॉ. एनाबेले बेनेट को शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे (पेरिस समय) तक का समय बढ़ाने की अनुमति दी है, लेकिन अब ये खबर विनेश फोगट और करोड़ों भारतीयों की उम्मीद को एक झटका है।

जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 प्रतिशत पर आई

रोजाना की जरूरत वाले सामानों के दाम कम हुए, जून में महंगाई 3.36 प्रतिशत थी

नई दिल्ली(ईएमएस)। जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 प्रतिशत पर आ गई है। जून में ये बढक़र 3.36 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 16 महीनों का ऊपरी स्तर था। वहीं, मई में थोक महंगाई 2.61 प्रतिशत पर थी। 14 अगस्त को जुलाई महीने के थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए गए।

इससे पहले 12 अगस्त को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। जुलाई महीने में रिटेल महंगाई घटकर 3.54 प्रतिशत पर आ गई है। ये 59 महीने का निचला स्तर है। अगस्त 2019 में महंगाई 3.21 प्रतिशत थी। खाने-पीने की चीजों के दाम घटने से महंगाई घटी थी। फ्यूल और पावर की महंगाई बढ़ी रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 8.80 प्रतिशत से घटकर 3.08 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.68 प्रतिशत से घटकर 3.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.03 प्रतिशत से बढक़र 1.72 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.43 प्रतिशत से बढक़र 1.58 प्रतिशत रही।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल गहराए

वाशिंगटन (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में युद्ध की गहराती आशंकाओं के बीच अमेरिका ने इजराइल को 20 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है, जिसमें लड़ाकू जेट विमान से लेकर हवा से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइलें शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि इजराइल के मध्य एशिया में एक बड़े युद्ध में उलझने की आशंकाओं के बीच कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को तेल अविव को 50 से अधिक एफ-15 लड़ाकू विमान, मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल, 120 एमएम के गोले, मोर्टार और सामरिक वाहन सहित अन्य हथियारों एवं सैन्य उपकरणों की बिक्री संबंधी प्रस्ताव के बारे में सूचित किया गया है।

हालांकि, इजराइल को निकट भविष्य में ये हथियार और सैन्य उपकरण हासिल होने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि आपूर्ति संबंधी अनुबंध को पूरा करने में कई वर्ष लगेंगे। इजराइल को इन हथियारों और सैन्य उपकरणों की बिक्री का मकसद यह है कि वह लंबी अवधि में अपनी सैन्य क्षमता में इजाफा कर सके। विदेश विभाग ने एक विज्ञप्ति में कहा, अमेरिका इजराइल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रपति ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा

आजादी के त्योहार में शामिल होने वाले सभी देशवासी हमारा परिवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आजादी के त्योहार में शामिल होने वाले सभी देशवासी हमारा परिवार हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें उन दिनों की याद दिलाता है, जब देश के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया। हमारे स्वाधीनता सैनानियों ने हमें नई अभिव्यक्ति प्रदान की। सरदार पटेल, बोस, भगत सिंह, बाबा साहेब आंबेडकर जैसे कई अन्य लोग थे, जिनके बलिदान की सराहना होती रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों ने उम्मीदों से बेहतर कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया है। ऐसा करके, उन्होंने भारत को कृषि-क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराने में अमूल्य योगदान दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जी-20 की अपनी अध्यक्षता के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के बाद, भारत ने वैश्विक दक्षिण को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है। भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार हेतु करना चाहता है।

भारत बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच 8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल कर, भारत सबसे तेज गति से बढऩे वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, और हम शीघ्र ही विश्व की तीन शीर्षस्थ अर्थ-व्यवस्थाओं में स्थान प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। यह सफलता किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर ही संभव हो सकी है।'

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मोदी सरकार की याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 25 जुलाई के अपने फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने की मोदी सरकार की याचिका को खारिज कर दी। जिसमें राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के विधायी अधिकार को बरकरार रखा गया था। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्यों को एक अप्रैल 2005 के बाद से रॉयल्टी वसूल करने की अनुमति दे दी।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है। पीठ में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भूइयां, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि हालांकि, पिछले बकाया के भुगतान पर कुछ शर्तें होंगी। पीठ ने कहा कि केंद्र और खनन कंपनियां खनिज संपन्न राज्यों को बकाये का भुगतान अगले 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से कर सकती हैं। बहरहाल, पीठ ने राज्यों को बकाये के भुगतान पर किसी प्रकार का जुर्माना न लगाने का निर्देश दिया।

केंद्र ने खनिजसंपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर लगी रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपये निकालना होगा। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस फैसले पर पीठ के आठ न्यायाधीश हस्ताक्षर करेंगे, जिन्होंने बहुमत से 25 जुलाई का फैसला दिया था जिसमें राज्यों को खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार दिया गया था। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागरत्ना फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी क्योंकि उन्होंने 25 जुलाई को अलग फैसला दिया था। पीठ ने 25 जुलाई को 8:1 के बहुमत वाले फैसले में कहा था कि राज्यों के पास खदानों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है और खनिजों पर दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है।

इस फैसले ने 1989 के उस निर्णय को पलट दिया था जिसमें कहा गया था कि केवल केंद्र के पास खनिजों और खनिज युक्त भूमि पर रॉयल्टी लगाने का अधिकार है। इसके बाद कुछ विपक्षी दल शासित खनिज संपन्न राज्यों ने 1989 के फैसले के बाद से केंद्र द्वारा लगाई गई रॉयल्टी और खनन कंपनियों से लिए गए करों की वापसी की मांग की। रॉयल्टी वापस करने के मामले पर 31 जुलाई को सुनवाई हुई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

राष्ट्रपति ने 103 गैलेंट्री अवॉर्ड की घोषणा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए 103 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इनमें 4 कीर्ति चक्र और 18 शौर्य चक्र शामिल हैं। इनमें से 9 पुरस्कार मरणोपरांत हैं। वायु सेना के 2 बहदुर जवानों को शौर्य चक्र और 6 जवानों को वायु सेना मेडल दिया गया है।

राष्ट्रपति ने एयरफोर्स के विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन वीएम को फ्लाइंग (पायलट) को शौर्य चक्र से नवाजा है। वहीं, विंग कमांडर जसप्रीत सिंह संधू को वायु सेना मेडल से दिया गया है। ये पुरस्कार सैन्य कर्मियों को वीरता और उनके बलिदान के लिए दिए जाते हैं।

रामलला की मूर्ति बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। अयोध्या के राम मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। इसके लिए अमेरिका ने कोई ठोस वजह भी नहीं बताई है। योगीराज को 12वीं वर्ल्ड कन्नड़ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए अमेरिका जाना था। यह कॉन्फ्रेंस 30 अगस्त से एक सितंबर के बीच वर्जीनिया के रिचमंड कन्वेंशन सेंटर में होनी थी।

अरुण योगीराज के परिवार ने वीजा नहीं दिए जाने को लेकर निराशा जताई है। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि अरुण की पत्नी विजेता पहले भी अमेरिका जा चुकी हैं और ऐसे में अरुण को वीजा देने से इनकार करना काफी अप्रत्याशित है। मूर्तिकार अरुण ने अमेरिका के लिए सभी तैयारियां भी पूरी कर ली थीं। अरुण योगीराज ने भी अमेरिका द्वारा वीजा देने से इनकार किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुझे कोई वजह नहीं मालूम, लेकिन हमने वीजा संबंधित सभी डॉक्युमेंट्स को जमा कर दिया था।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में गैंगरेप का दावा - सीबीआई-एफएसएल टीम ने अस्पताल में की जांच

नई दिल्ली(ईएमएस)। कोलकाता के ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर केस में 14 अगस्त, बुधवार को नया खुलासा हुआ है। ऑल इंडिया गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. सुवर्ण गोस्वामी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ये रेप नहीं, गैंगरेप हो सकता है। उन्होंने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट से 151 एमजी लिक्विड (सीमन) मिला है। इतनी ज्यादा मात्रा किसी एक शख्स की नहीं हो सकती है। इस बात की पूरी संभावना है कि रेप केस में एक से ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं।

उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घटना के 5 दिन बाद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पीडिता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों को बचाने की कोशिश हो रही है। ये चीज अस्पताल और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दोषियों को ऐसी सजा मिले, जो समाज में ऐसी घटना रोकने के लिए मिसाल बने। 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर से कोलकाता के राधा गोविंद कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को दरिंदगी की गई थी। इस मामले आरोपी संजय रॉय को अरेस्ट किया गया है। संजय अस्पताल में नौकरी करता था। वहीं, मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने आरोप लगाया है कि अस्पताल प्रशासन सबूतों से छेड़छाड़ कर रहा है। उन्होंने वीडियो शेयर कर कहा- सेमिनार हॉल से 20 मीटर की दूरी पर चेस्ट डिपार्टमेंट के ऑफिस में तोडफ़ोड़ हो रही है। पुलिस के सामने रेनोवेशन के नाम पर सबूतों से छेड़छाड़ हो रही है।

त्यौहारी सीजन में रेलवे खास रुटों पर चलाएगा 18 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अगस्त माह से त्यौहार शुरु हो जाते हैं अगस्त में करीब 15 अगस्त से 19 अगस्त तक छुट्टियां ही छुट्टियां है। ऐसे में लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। यात्रियों की बढ़ती मांग के बीच स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन त्योहार को देखते हुए मध्य रेलवे ने 18 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। ये ट्रेनें देश के प्रमुख स्टेशनों वाले रूट पर चलाई जा रही हैं, जो 15 से 20 अगस्त के बीच चलेंगी।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मध्य रेलवे ने स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन त्योहार के मद्देनजर लंबी छुट्टियों के चलते यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सीआर ने इन विशेष ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है। विशेष ट्रेनों के लिए आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर पहले से ही खुला है।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2024 में 21 महिलाओं समेत 100 वकीलों को दिया वरिष्ठ वकील का दर्जा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 39 वकीलों को वरिष्ठ वकील का दर्जा दिया। इनमें दस महिलाएं भी शामिल हैं। इसी के साथ ही प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में अभी तक साल 2024 में ही 100 वकीलों को वरिष्ठ वकील का दर्जा दिया गया है। इनमें 21 महिला वकील शामिल हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में 2024 से पहले सिर्फ 12 महिलाओं को ही वरिष्ठ वकील का दर्जा दिया गया था।

खास बात ये है कि इन लोगों में 39 साल की उम्र से लेकर 73 साल के वकील शामिल हैं। के परमेश्वर 39 साल के हैं जबकि एमसी ढींगरा 73 के हैं। इस लिस्ट में 72 साल की इंद्रा साहनी भी हैं जिनके नाम से ऐतिहासिक आरक्षण फैसला भी दर्ज है कि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं होगी।पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के निवासी वकील को सीनियर एडवोकेट बनाया है। नगांगोम जनिये को सीनियर एडवोकेट बनाया गया है।

जिन वकीलों को दर्जा दिया गया है उनमें नलिन कोहली, शादान फरासत, राहुल कौशिक, के परमेश्वर, रुद्रेश्वर सिंह, एम आर शमशाद और ऋषि मल्होत्रा भी सीनियर एडवोकेट्स की सूची में शामिल हैं। वहीं महिलाओं में बांसुरी स्वराज, अपर्णा भट, अनिंदता पुजारी, इंदिरा साहनी, कविता झा आदि हैं।

जापान के प्रधानमंत्री का पद छोड़ेंगे किशिदा

टोक्यो(ईएमएस)। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने अगले महीने प्रधानमंत्री पद छोडऩे का एलान किया है। किशिदा ने कहा कि वह सत्ताधारी पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे और अगले महीने नए अध्यक्ष का चुनाव होते ही पीएम पद से इस्तीफा दे देंगे। जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुनाव नहीं लडऩे का फैसला किया है। किशिदा के इस फैसले का मतलब है कि वह अगले महीने एलडीपी के नए नेता के चुनाव तक ही प्रधानमंत्री पद पर रहेंगे।

ईडी में निदेशक बने राहुल नवीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय के कार्यवाहक प्रमुख राहुल नवीन को बुधवार को जांच एजेंसी का पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया गया। राहुल नवीन ईडी के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का स्थान लेंगे। संजय मिश्रा का कार्यकाल बुधवार 14 अगस्त को खत्म हो गया है। राहुल नवीन भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के 1993 बैच के अधिकारी हैं। राहुल नवीन ने 15 सितंबर 2023 को ईडी डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल पूरा होने पर स्पेशल डायरेक्टर का जिम्मा संभाला था। इससे पहले वह स्पेशल डायरेक्टर के रूप में संजय मिश्रा के साथ मिलकर काम कर रहे थे। इसके अलावा राहुल नवीन वित्त मंत्री के अंडर सचिव के तौर पर रह भी काम कर चुके हैं।

कैबिनेट की नियुक्ति संबंधी समिति की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि आयकर संवर्ग के 1993 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी नवीन की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेश तक के लिए की गई है।''

अंतरराष्ट्रीय कराधान मामलों के विशेषज्ञ नवीन के ईडी का कार्यवाहक प्रमुख रहते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अलग-अलग धन शोधन मामलों में गिरफ्तारी हुईं।

खास बात ये भी है कि राहुल नवीन ने इससे पहले जांच एजेंसी में ही कई अहम पदों पर कार्य किया है। उन्होंने आर्थिक अपराधों और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कई केस की जांच में अहम जिम्मेदारी निभाई है। राहुल नवीन की पहचान एक सख्त अधिकारी के तौर पर रही है और अलग-अलग विभागों में तैनाती के दौरान उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है।

श्रीनगर के पांच मंदिर और एक धर्मशाला पर जिला प्रशासन का कब्जा

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक अहम सुनाया। इस फैसले में श्रीनगर के बजरंग देव धर्मदास जी मंदिर, बाबा धर्मदास राम जीवनदास ट्रस्ट सत्तू बरबर शाह, बाबा धर्मदास रामजीवन दास ट्रस्ट सत्तू बरबर शाह मंदिर विशंभर नगर सहित दो अन्य मंदिरों का प्रबंधन जिला प्रशासन को सौंपने का आदेश दिया है। इसके साथ ही बारामुला के क्रीरी में स्थित एक धर्मशाला की संपत्ति को भी जिला प्रशासन से अपने नियंत्रण में लेने को कोर्ट ने कहा है।

श्रीनगर के बजरंग देव धर्मदास जी मंदिर की परिसंपत्ति विवाद से जुड़ी एक याचिका का निपटारा करते हुए, न्यायमूर्ति संजीव कुमार और एमए चौधरी की बेंच ने श्रीनगर के उपायुक्त को आदेश दिया कि वह राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारियों की एक समिति का गठन करें जो इन मंदिरों में पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की व्यवस्था करे। कोर्ट ने कहा कि निर्विवाद रूप से, मंदिर की संपत्ति देवता में निहित है और इसलिए इस याचिका का कोई भी पक्ष या कोई अन्य दावा नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके आधार पर यह कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंच सके कि यह संपत्ति मंदिर को समर्पित की गई। कोर्ट ने कहा कि किसी विशिष्ट रिकॉर्ड के अभाव में यह माना जाना चाहिए कि उस समय के महाराजा ने मंदिरों का निर्माण करवाया और उन्हें भूमि संपत्ति समर्पित की ताकि ऐसी संपत्तियों से अर्जित आय का इस्तेमाल मंदिरों के रख रखाव और धर्मार्थ के उद्देश्य के लिए किया जा सके।

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के साथ सेना का मुठभेड़ जारी, एक आतंकी को सेना ने मार गिराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर के डोडा में एक आतंकी को सेना ने मार गिराया है। वहीं 4 खून से सने बैग भी सेना को मिले हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि चार आतंकवादी या तो घायल हुए हैं या मारे गए हैं। सेना अभी एनकाउंटर और तलाशी अभियान जारी रखे हुए है।

अधिकारियों ने बताया कि शिवगढ़-अस्सार पट्टी में छिपे विदेशी आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया और इस दौरान घने जंगल वाले इलाके में उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। मुठभेड़ स्थल से चार बैग मिले हैं, जिनमें खून लगा है। इससे यह समझा जा रहा है कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं। साथ ही वहां से एम-4 कार्बाइन भी बरामद की गई हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आनंद जैन ने अपराह्न करीब दो बजे संवाददाताओं को बताया कि इलाके में अभियान अब भी जारी है। सेना ने अधिकारी की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि सेना शोक संतप्त परिवार के साथ है। सेना ने कहा कि 'व्हाइट नाइट कोर के सभी रैंक बहादुर कैप्टन दीपक सिंह के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि कल शाम सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के बाद आतंकवादी उधमपुर जिले के पटनीटॉप के पास के जंगल से डोडा में घुस आए।

अधिकारियों के अनुसार उधमपुर में मंगलवार शाम करीब छह बजे सुरक्षाबलों को आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला था। आधे घंटे बाद उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने रातभर में इलाके को चारों ओर से घेर लिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आज सुबह फिर से तलाश अभियान शुरू किया। आज सुबह करीब 7।30 बजे पुनः आतंकवादियों और जवानों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई।

गडकरी ने पूरी की अखिलेश की मांग.......लखनऊ-आगरा से हरिद्वार तक एक एक्सप्रेस को दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने पिछले दिनों संसद में एक्सप्रेस वे का मुद्दा उठाया था। उन्होंने केंद्र को एक्सप्रेसवे के मुद्दे पर शिकायत की थी। अब उनकी शिकायत पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सकारात्मक रिएक्शन दिया है।

सपा सांसद आनंद भदौरिया ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात कर लखनऊ-आगरा से हरिद्वार तक एक एक्सप्रेस-वे बनाने का अनुरोध किया। सांसद भदौरिया ने बताया कि गडकरी ने इस प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि अगर एक्सप्रेसवे का निर्माण शुरू होता है, तब यह उनके लिए सपने के सच होने जैसा होगा।

यह मामला कन्नौज सांसद अखिलेश यादव की ओर से संसद में उठाई गई एक मांग से जुड़ा है। जिसमें अखिलेश ने कहा था कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में कोई नया एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया। इसी बीच अखिलेश यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी को पत्र भेजकर यूपी के विभिन्न एक्सप्रेसवे और हाइवे निर्माण की मांग कर दी। अखिलेश ने पहले से स्वीकृत इटावा और कोटा को जोड़ने वाले 408.77 किलोमीटर लंबे चंबल एक्सप्रेसवे के निर्माण को पूरा करने की मांग की।

अखिलेश ने गडकरी से एमपी के ग्वालियर टू लिपुलेख तक प्रस्तावित छह लेन सड़क के निर्माण की भी मांग उठाई। वहीं बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को सतना से जोड़ने और इटावा से शुरू होने वाले एक्सप्रेसवे को हरिद्वार से कनेक्ट करने की मांग की है। इसके साथ ही, अखिलेश ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को 25 किलोमीटर और बढ़ाकर बिहार के बक्सर-भागलपुर तक बनने वाले एक्सप्रेसवे से मिलाने के लिए पखनपुरा गांव से जोड़ने की मांग की।

इसके बाद सपा सांसद भदौरिया ने गडकरी से मुलाकात की। उन्होंने गडकरी को एक पत्र सौंपा, जिसमें लखनऊ-आगरा से हरिद्वार तक एक्सप्रेसवे बनाने का अनुरोध किया था। यह एक्सप्रेसवे उनके संसदीय क्षेत्र से होकर गुजरेगा। भदौरिया ने बाद में प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि अगर एक्सप्रेसवे का निर्माण शुरू होता है तब यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा होगा।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला...एसबीआई-पीएनबी के साथ सभी लेन-देन पर तत्काल रोक

नई दिल्ली(ईएमएस)। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के साथ सभी लेन-देन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया। इस निर्णय के तहत राज्य विभागों को इन बैंकों में अपने खाते बंद करने और अपनी जमाराशि निकालने का निर्देश भी जारी किया गया है।

सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, इन दोनों बैंकों में कोई जमाराशि या निवेश नहीं किया जाना चाहिए। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार में वित्त विभाग के सचिव जाफर द्वारा जारी यह निर्देश इन दोनों बैंकों में जमा सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोपों के बीच आया है। सरकार की ओर से कड़े शब्दों में कहा गया है कि कथित दुरुपयोग के बारे में कई बार चेतावनियां दिए जाने के बाद भी एसबीआई और पीएनबी ने अपनी ओर से कोई कदम नहीं उठाया, जिसकी वजह से ये फैसला किया गया है।

सभी विभाग तुरंत बंद करें बैंक खाते

राज्य के वित्त विभाग के सचिव जाफर द्वारा एसबीआई-पीएनबी को लेकर दिए गए निर्देशों पर गौर करें राज्य सरकार के सभी विभागों, सार्वजनिक उद्यमों, सभी निगमों व स्थानीय निकायों, यूनिवर्सिटी समेत अन्य संस्थानों को उनके द्वारा संचालित किए जा रहे भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक खातों को बंद करके जमाराशि को निकालना होगा। कर्नाटक में सरकारी विभागों के ज्यादातर खाते इन्हीं दोनों बैंकों में संचालित किए जा रहे हैं। अब सरकार की ओर से एसबीआई और पीएनबी में जमा धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाते हुए ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं कि दोनों ही बैंकों में राज्य के सरकारी विभाग अपना पैसा ने डालें और किसी भी तरह का ट्रांजैक्शन न करें।

जन हितैषी

15 अगस्त 1947 की सुबह और बंटवारे का दंस

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था। अंग्रेजों ने भारत से पहले 14 अगस्त को पाकिस्तान को स्वतंत्रता दी थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान मे शपथ ली। उसके बाद भारत के पास और कोई विकल्प नहीं बचा था। वह अंग्रेजों द्वारा दी गई स्वतंत्रता को अस्वीकार कर दे। कांग्रेस के प्रमुख नेता और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े आंदोलनकारी धार्मिक आधार पर बंटवारे का विरोध कर रहे थे। मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने पश्चिम बंगाल की विधानसभा से धार्मिक आधार पर बंटवारे की मांग 1945 मे की थी। वह प्रस्ताव अंग्रेजों के लिए मुफीद साबित हुआ। अंग्रेजों ने मोहम्मद अली जिन्ना को पाकिस्तान का राष्ट्राध्यक्ष बनने के लिए तैयार किया। जिन्ना ने समझौते पर हस्ताक्षर किये। मोहम्मद अली जिन्ना उन दिनों टीवी की बीमारी से पीड़ित थे। उनकी जान कभी भी जा सकती थी। उन्होंने पाकिस्तान का राष्ट्रध्यक्ष बनना स्वीकार किया। 14 अगस्त को अंग्रेजों ने पाकिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर ?जिन्ना को शपथ ?दिला दी। उसके बाद भारत को अंग्रेजों का प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा। अंग्रेजों और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में जवाहरलाल नेहरू के नाम पर सहमति बनी। वह भारत के पहिले प्रधानमंत्री बने। 15 अगस्त को बटवारे पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई। अविभाजित भारत के दोनों हिस्सों में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। भारत के हिंदूवादी संगठन मुसलमानो को पाकिस्तान जाने के लिए विवश करने लगे। वहीं पाकिस्तान के मुस्लिम संगठन वहां से हिंदुओं को भारत जाने के लिए विवश करने लगे। उग्रवादी संगठनों ने आजादी का जश्न मनाने के स्थान पर दंगे शुरू कर दिए। अल्पसंख्यक समुदाय की संपत्तियों को लूटा गया। पाकिस्तान में कट्टर मुसलमानो द्वारा हिंदुओं का उत्पीड़न शुरू हुआ। बंटवारे के समय अविभाजित भारत में रहने वाले हिंदू और मुस्लिम दोनों ही हिंसा के शिकार हुए। उन सबका चैन, जान-माल, अस्मत सब लूटी जा रही थी। गली गली में टोलियां बनाकर लुटेरे और उग्रवादी तत्व लूटमार कर रहे थे। ऐसे समय पर भारत में महात्मा गांधी ने दंगा ग्रस्त इलाकों में जाकर अनशन शुरु किया। लोगों से शांति की अपील की। बंटवारे के समय भारत और पाकिस्तान मे जो ट्रेन चल रही थी। उसमे जिंदा और मुर्दा दोनों ही एक देश से दूसरे देश में भेजे जा रहे थे। यह स्वतंत्रता का वीभत्स स्वरूप था। भारत ने इसमें बहुत जल्दी काबू पाया। 1948 में जब महात्मा गांधी की हत्या उग्रवादी हिंदू संगठनों द्वारा की गई। इसके बाद जनता में तीव्र प्रतिक्रिया हुई। उसके बाद भारत में हिंसा का दौर एक तरह से शांत हुआ। 1950 में भारत का संविधान लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों तक भारत में धार्मिक उन्माद की स्थिति देखने को नहीं मिली। भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी धर्म और संप्रदाय के लोगों ने आपस में रहना सीख लिया था। एक दूसरे के ऊपर भरोसा था। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सभी वर्ग आगे बढ़ रहे थे। पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक उन्माद एक बार फिर अपनी जड़ों को फैला रहा है। हाल ही में बांग्लादेश में सत्ता में बने रहने के लिए शेख हसीना द्वारा जिस तरह की तानाशाही की। उसके दुष्परिणाम आज सभी को देखने मिल रहे हैं। 1947 के पहले हम आजादी से रहना नहीं जानते थे। कोई हिंदू राष्ट्र कभी नहीं रहा। हमेशा राजा महाराजाओं के राज रहे हैं। सबके अपने-अपने धर्म थे। पहले राजे रजवाड़े और जागीरदारों का शासन था। जो आम जनता को मनमाने तरीके से लूटते और प्रताड़ित करते थे। उसके बाद आक्रांता आए, उन्होंने राजाओं को लूटा। आम जनता ने कभी राजाओं का साथ नहीं दिया। मुट्ठी भर आक्रांताओं ने राजे राजवाड़े और जागीरदारों के महलों पर कब्जा करके अपना शासन स्थापित किया। जनता ने उनका कोई विरोध नहीं किया। धीरे-धीरे करके आक्रांता अपना साम्राज्य स्थापित करते चले गए। सत्ता के अहंकार में सत्ता के मद में आक्रांताओं ने भी जनता के साथ गुलामों जैसा व्यवहार ?किया। जो भी शासन आया, उसने आम जनता को गुलामो की तरह रखा। अंग्रेज आए, उन्होंने राजाओं के ऊपर अधिकार जमाया। आम जनता अंग्रेजों और राजे रजवाणो की जब दोहरी मार से प्रताड़ित हुई। उसकी परिणति जलियांवाला बाग,1857 जैसी घटनाएं हुई। स्वतंत्रता के लिए आम जनता में पहली बार विद्रोह हुआ। उसके बाद अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा। जब वह भारत से जाने लगे। तब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच धा?र्मिक आधार पर बंटवारे का खेल खेला। अंग्रेजों ने भारत और पाकिस्तान की सीमाएं बना दी। राजाओं को स्वतंत्रता दी, कि वह जिस देश से मिलना चाहते हैं, उससे मिल जाएं। भोपाल रियासत का पाकिस्तान से दूर-दूर तक का कोई वास्ता नहीं था। उसके बाद भी भोपाल के नवाब धार्मिक आधार पर पाकिस्तान के साथ जाने की मांग पर अड़े रहे। भारत में सबसे बाद में भोपाल स्टेट के नागरिकों को स्वतंत्रता मिली, यह एक ध्रुव सत्य है। अभी कहा जाने लगा है, कांग्रेस ने बटवारा किया था। यह पूरी तरह से गलत है। अंग्रेज भारत को बांटकर गए थे। उन्हें लगता था, दोनों आपस में लड़ेंगे भिड़ेंगे। कुछ समय के बाद उनकी शरण में फिर आ जाएंगे। धार्मिक आधार पर उन्होंने जो आग अपने शासनकाल में हिंदू और मुसलमान के बीच लगाने की कोशिश की थी। वह उनके शासनकाल में सफल नहीं हो पाई थी। भारत और पाकिस्तान बंटवारे के बाद वर्तमान के हुक्मरानों द्वारा धार्मिक आधार पर जो वेमनष्यता पैदा की जा रही है। भारत को गुलाम बनाए रखने के लिए जो नीति अंग्रेजों की सत्ता में बने रहने के ?लिये वर्तमान सत्ताधारी अंग्रेजों की नी?ति पर चल रहे हैं। स्वतंत्रता के महत्व को हमें समझना होगा। तभी स्वतंत्रता दिवस मनाने का मतलब है। स्वतंत्रता ख़ौफ़ से नहीं, जीवन को ऊर्जा और आनंद के साथ जीने की परिचायक होती है। यदि हम स्वतंत्रता के इस महत्व को समझ लेंगे। तभी मनुष्य जीवन का सही आनंद उठा पाएंगे। अन्यथा हमारी स्थिति भी भेड़ों की तरह होगी। हजारों भेडों की रेड़ को कुछ गडरिए हाँकते हैं। गडरियों की एक आवाज और इशारे पर सारी भेड एक के पीछे एक कतारबद्ध होकर चलती चली जाती है। भेड़ों को लगता है,वह गड़रियों के कारण सुरक्षित है। इसी भ्रम में गडरिये भेड के शरीर से उसके बाल भी नाच लेते हैं। उसे बेच भी देते हैं। उनके दूध से अपना जीवन भी जी लेते हैं। भेडों का कुनबा गड़रियों के लिए जीता है। वह रेड में जन्म लेता है। उसी रेड में मर जाता है। यही भय गुलामी का सत्य है। भय से बचे रहोगे, तो गुलामी से भी बचे रहोगे। जीवन के हर सुख दुख को आनंद के साथ जीने की कला स्वतंत्रता में है। स्वतंत्रता के 78वें वर्ष पर प्रवेश करने पर सभी भारतवा?सियों को बधाई।

आजादी के जश्न से विकसित भारत की शुरुआत

भारत का 78वां स्वतंत्रता दिवस आजादी अमृतकाल के कालखंड के सन्दर्भ में एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति देने एवं नये संकल्प बुनने का अवसर है। यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना का स्मरण करने से कहीं ज्यादा है, यह भारत की चिरस्थायी भावना, समृद्ध विरासत और इसकी विविध आबादी को जोड़ने वाली एकता का जश्न है। यह स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने, पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई प्रगति का जश्न मनाने और निरंतर विकास और समृद्धि से भरे भविष्य की आशा करने का दिन है।'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान होगा। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। कोई भी विकसित होता हुआ देश किन्हीं समस्याओं पर थमता नहीं है। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है।

स्वतंत्रता दिवस का एक दुर्लभ अवसर है जो इस बात विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। केवल अपना उपकार ही नहीं परोपकार भी करना है। अपने लिए नहीं दूसरों के लिए भी जीना है। यह हमारा दायित्व भी है और ऋण भी, जो हमें अपने समाज और अपनी मातृभूमि को चुकाना है। भारत तो अतीत से विश्व को परिवार मानता रहा है, तभी उसने वसुधैव कुटुंबकम् का मंत्र उद्घोष किया। मोदी ने अतीत की उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विश्व को अपना परिवार मानने की भावना का परिचय बार-बार दिया है। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राष्ट्रीयता को जीना होगा। यही भावना सबल, सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा।

अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणओं वाले प्रधानमंत्री ने जमीन से जुड़ी प्रतिभाओं को पद्म सम्मान देकर भी भारत के जन-जन को उचित सम्मान देने की परम्परा का सूत्रपात किया है। आज जबकि भारत अपने पडोसी राष्ट्रों की अस्थिर, अराजक एवं हिंसक घटनाओं से घिरा है, जब प्रधानमंत्री ने यह भरोसा दिलाया कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, सुरक्षित और विकसित राष्ट्र का सपना साकार करने को तत्पर है।'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र को साकार करते हुए मोदी देश की तकदीर एवं तस्वीर बदलने में जुटे हैं। इससे यह तो साफ हो गया कि वे इन बुराइयों से निपटने और उनके खिलाफ जनमत का निर्माण करने के लिए अपने तीसरे कार्यकाल में संकल्प ले चुके हैं। उन्होंने राजनीति ही नहीं बल्कि जन-जन में व्याप्त होते भाई-भतीजावाद एवं परिवारवाद जैसी अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को देश के लिये गंभीर खतरा बताया। इस बार मोदी ने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को रेखांकित किया, जिसे लेकर विपक्ष की भृकुटि कुछ तन गई है। उनके राष्ट्र-संकल्पों में ऐसी किरणे हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि ''अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ'। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।''

आधारभूत ढांचों का विकास किसी देश की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक भारत ने आधारभूत ढांचों के विकास की कहानी भारत की कुशल नीतियों को बयां करती है। भारत बुनियादी ढांचों के विकास में अब वैश्विक स्तर छू रहा है। भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बिजली की औसत उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों में 20.5 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 23.5 घंटे तक पहुंच गई है। ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 तक इंटरनेट के कुल नये यूजर में लगभग 56 फीसदी ग्रामीण भारत से होंगे। जनधन खाता सरकारी योजना के लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का एक प्रमुख उपकरण बन गया है। आजादी के पहले पर्यटन जहां तीर्थाटन और देशाटन तक सीमित था, आजादी के बाद व्यवस्थित उद्योग के रूप में विकसित होना शुरू हुआ। आज स्थिति यह है कि पर्यटन के मानचित्र में भारत एक प्रमुख देश के तौर पर दर्ज है। लगातार हुए सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप यह उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा संबल भी बना है। हालांकि अभी ऊंचाइयां छूना बाकी है, पर प्रगति की तेजी उल्लेखनीय है।

प्रधानमंत्री देश में आतंकवादी वारदातें कम करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने के संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हुए गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च कर रहे हैं और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। देशवासियों को?इस बात का अहसास होने लगा है कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है।?मोदी देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान करते हुए राष्ट्र को सबल एवं सक्षम बना रहे हैं। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है। हमें जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली खर्च करना। अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को विश्वगुरु होने से कोई नहीं रोक सकेगा।

एक बार फिर प्रधानमंत्री ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस की थीम 'विकसित भारत' है। यह थीम 2024 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह थीम बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करती है। इसकी संपूर्ण झलक हमें कालजयी नेतृत्व मोदी की कार्य-योजना एवं नीतियों मिलती है जो 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का रोडमैप है। जब मोदी का रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म अब देश की कार्यसंस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। इनके चलते नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति बनेगी। यह विषय आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है तथा एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करता है जहां प्रत्येक नागरिक उन्नति कर सके। यह एक समृद्ध, समावेशी और लचीले भारत के निर्माण की सामूहिक आकांक्षा को दर्शाता है, जो आधुनिक प्रगति को अपनाते हुए अपनी समृद्ध विरासत का जश्न मनाएगा। इससे भारत एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा।(लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

आमजन के लिए आज भी बेमायने है आजादी!

(स्वतंत्रता दिवस पर विशेष)

वास्तव में आजादी की कीमत पिंजरे में कैद वह पक्षी ही जान सकता है, जिसके पंख फड़फड़ाकर पिंजरे से टकरा टूट जाते हैं, जो पिंजरे की कैद रूपी गुलामी से आजाद होने के लिए लगातार तड़पता है। उसकी चीत्कार और संघर्ष उन आम लोगों का प्रतीक कहा जा सकता है, जिनको 15 अगस्त 1947 से पहले अंग्रेज सरकार तानाशाही के चाबुक से रहरहकर घायल कर रही थी।यह वह दौर था जब भारतीयों को गुलाम बनाकर उनका तरह तरह से उत्पीड़न किया जा रहा था। अंग्रेजो की क्रूरता और नरसंहार के इस खेल में मानवता भी थरथरा उठती थी।भारतीयों के अंतरमन से आवाज आ रही थी कि आखिर कब तक गुलामी का दंश झेलते रहेंगे? कब तक अंग्रेजों के जुल्म को सहते रहेंगे? देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए आजादी के तराने गाये जाने लगे,

ऐ वतन ऐ वतन हमको तेरी कसम,
तेरी राहों में जां तक लुटा जाएंगे,

दलितो-वंचितो-पीड़ितो-शोषितो के मायूस चेहरे पर आजादी की चमक का आगाज कर रही थीं । देश मे आजादी मिलते ही लोकतंत्र की नींव रखी गई और देश का प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को चुना गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से रियासतों का एकीकरण हुआ और डॉ. भीमराव अंबडेकर के प्रयासों ने देश का संविधान अल्प समय में तैयार कर सरकार चलाने की विधि व कानून व्यवस्था प्रावधान लागू किये गए। नई पीढ़ी की शिक्षा के लिए शिक्षामंत्री बनाया गया और हर गांव में पाठशालाएं खोलने के लिए स्वीकृति प्रस्ताव पारित किए गए। यह सब परतंत्रता की बेड़ियों से पड़े जिस्म पर घावों के लिए मरहम की तरह था। लेकिन आजादी के कुछ सालों बाद ही देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चयनित हुए जनप्रतिनिधियों की मानसिकता देशहित न रहकर स्वहित होने लगी। राजनेताओं की स्वहित मानसिकता और लालची रवैये ने राष्ट्रभक्ति की समस्त सीमाएं तोड़ दीं।

पहले गोरे, कालों को लूट रहे थे, तो अब काले ही कालों को लूटने लगे। विकास कार्यो को परिभाषित करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के साथ ही अलमारी में फाइलों की संख्या बढ़ने लगी। जिन राष्ट्रभक्तो और कवियों ने जेल की दीवारों पर वंदेमातरम् लिखकर आजादी की इबारत लिखी थी, उनकी पीठ पर पड़े कोड़ों की मार से निकले फोड़ों के फूटने पर आए लहू के कतरे उपेक्षा की कहानी बयां कर रहे थे। लाठी के दम पर आजादी की मशाल जलाने वाले गांधी का अपमान कर गोड़से को आराध्य माना जाने लगा। देश के युवाओं की दिशा पश्चिमीकरण के कारण भ्रमित हो गई। सरकारी कार्यालयों में लगी भ्रष्टाचार की दीमक ने अधिकारियों और कर्मचारियों के ईमान को नोंच डाला। बेरोजगारी ने नौकरियों और उच्च शिक्षा के प्रति आमजन का मोहभंग कर दिया।आए दिन नए-नए घोटालों और अपराधिक ता ने जनप्रतिनिधियों की पोल खोलकर रख दी। ऐसी बदहाल आजादी की कल्पना महात्मा गांधी ने तो कभी नही की थी। जिस देश में स्कूलों से ज्यादा शराब के ठेके नजर आते हो , जहां पैसों वालों के लिए कानून उनकी जेब मे हो और गरीबों के लिए केवल शोषण हो। जहां फुटपाथों पर मासूमों का बसेरा हो और अमीरों की गाड़ियों का पहिया जिनकी मौत का कारण बनता हो। यहां अमीरों के लिए ही अच्छे दिन है ,बाकी गरीबों की आंखों में तो आज भी पानी ही है।

सवाल उठता है कि क्या हम हर 15 अगस्त को यूं ही समस्याओं का जिक्र करते रहेंगे या फिर खुद भी देश के लिए कुछ करने के लिए खड़े होंगे? आजादी की भौतिकता तक सीमित न रहकर सोच और मन से आजाद होने की आज सबसे बड़ी जरूरत है। आजादी का मतलब केवल अधिकारों की मांग के नाम पर उग्र प्रदर्शन करना भर नहीं है, बल्कि कर्तव्यों के प्रति भी सकारात्मक भूमिका निभाना है। नेताओं को कोसना ही काफी नहीं है, बल्कि ईमानदार व्यक्ति को नेता बनाने के लिए सक्रिय मतदाता बनकर चुनाव करना भी है। आज देश का करोड़ों रुपया नमामि गंगे और स्वच्छ भारत अभियान पर खर्च हो रहा है?लेकिन फिर भी न गंगा साफ हो पाई और न ही स्वच्छता कायम रख पाएइस दिन हर भारतवासी अपने देश की आजादी के शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करता है, जिनके खून पसीने और संघर्ष से हमें आजादी नसीब हुई। स्वतंत्रता के मायने हर नागरिक के लिए अलग-अलग होते हैं, कोई व्यक्ति स्वतंत्रता को अपने लिए खुली छूट मानता है, जिसमे वह अपनी मर्जी का कुछ भी कर सके, चाहे वह गलत हो या सही हो। लेकिन स्वतंत्रता सिर्फ अच्छी चीजों के लिए होती है। बुरी चीजों के लिए स्वतंत्रता अभिशाप बन जाती है। इसलिए स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण का भाव हो। अगर स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण ही नहीं है तो यह आजादी नहीं बल्कि एक प्रकार का छुट्टापन होता है। जिस पर कोई भी लगाम नहीं होती। यही छुट्टापन देश और समाज में बलात्कार, छेड़खानी, हत्या और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं के अंजाम के लिए जिम्मेदार होता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के युवा पतंगें उड़ा कर आजादी का जश्न मनाते हैं। हवा में लहराती पतंगें संदेश देती हैं कि हम आजाद देश के निवासी हैं। लेकिन क्या तिरंगा फहराकर या पतंग उड़ाकर आजादी का अहसास हो जाता है? क्या भारत में हर किसी को आजादी से जीने का हक मिल पाया है? हमें आजादी मिली, उसका हमने क्या सदुपयोग किया। लोग पेड़ों को काट रहे हैं। बालिका भ्रूण की हत्या हो रही है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। अकेले रह रहे बुजुर्गों की हत्या कर दी जाती है। शराब पीकर लोग देश में सड़क हादसों को अंजाम देते हैं, और दूसरे बेगुनाह लोगों को मार देते हैं। ये कैसी आजादी है, जहां एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन कर रहा है।

आज भी हमारे आजाद भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगानी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे और शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यवहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुँच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनके अधिकार उनको दिलाने के लिये समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगेआज भी देश में महिलाओं के मौलिक अधिकार चाहे समानता का अधिकार हो, चाहे स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे शिक्षा और संस्कृति सम्बन्धी अधिकार हो; समाज द्वारा नारियों के हर अधिकार को छीना जाता है या उस पर बंदिशे लगायी जाती हैं, जोकि एक स्वतंत्र देश के नवनिर्माण के लिए शुभ संकेत नहीं है।भारत में अंग्रेजों की हुकूमत साल 1858 में शुरू हुई और 1947 तक चली. इससे पहले, 1757 से लेकर 1857 तक भारत पर ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी का कंट्रोल था। देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान के आगे आखिरकार अंग्रेजों ने घुटने टेक दिए और करीब 200 साल तक अंग्रेजों की गुलामी करने के बाद भारत को 15 अगस्त, 1947 के दिन आजादी मिली।आज जरूरत इस आजादी को बनाये रखने की है। (लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस)

(लेखक अमर शहीद जगदीश वत्स के भांजे व वरिष्ठ पत्रकार है)

आइए हम सभी राष्ट्रीय भावना को जगाएं

आज 15 अगस्त का पावन दिवस है यानी राष्ट्रीय भाव को व्यक्त करने का दिवस। देश को स्वतंत्र कराने वाले महान सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने का और उनके विचार को अपनाने का दिन। अब हमें इस बात का भी स्मरण करना चाहिए कि क्या हमारा देश उन बलिदानियों के विचार को पूरी तरह से आत्मसात कर पाया है, नहीं। जरा विचार %ह्ढ्ढच□ष्ठ कहां चूक हो गई। हम सभी प्रत्येक राष्ट्रीय त्यौहार पर उन बलिदानियों का स्मरण करके उनके द्वारा स्थापित किए गए आदर्शों पर चलने का संकल्प तो लेते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह राष्ट्रीय भाव की बातें केवल एक दिन की बात ही बनकर रह जाती है। बाकी के दिनों में हमारा व्यवहार केवल अपने और अपने परिवार तक सीमित हो जाता है। हम छोटी छोटी बातों के लिए सरकारी तंत्र को जिम्मेदार ठहरा देते हैं।

हमें इस राष्ट्रीय पर्व पर अंतर्मन से यही विचार करना होगा कि हमारे राष्ट्रीय कर्तव्य क्या हैं? अगर इस दिशा में गंभीरता पूर्वक और सकारात्मक दृष्टि से चिंतन कर लिया तो स्वाभाविक रूप से हम और हमारा समाज राष्ट्रीय चेतना की भाव धारा को आत्मसात करते हुए अपने व्यवहार को राष्ट्र के अनुकूल बनाने के लिए मार्ग बना सकेगा। आज प्राय: यह देखने में आता है कि हम छोटी सी छोटी ऐसी समस्या के लिए शासन और प्रशासन को दोष देते हैं, जो हमारे स्वयं के द्वारा निर्मित की जाती है। हम जीवन में यह तय कर लें कि हम इस देश के लिए समस्या नहीं समाधान का हिस्सा बनेंगे तो कई समस्याएं अपने आप ही समाप्त हो जाएंगी। भारत के श्रद्धेय महापुरुषों ने इसी के लिए ही तो अपना सर्वस्व समर्पण किया था। महात्मा गांधी ने आजादी मिलने से पूर्व कहा था कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करूंगा, जिसमें ऊंच नीच का भेद नहीं हो, जिसमें स्वदेशी का भाव प्रथम हो। लेकिन ऐसा लगता है कि महात्मा गांधी के ये विचार राजनीतिक स्वार्थ की बलिवेदी में स्वाहा हो गए हैं। समाज में भेद पैदा करने की दिशाहीन राजनीति का बोलबाला है। जिसके कारण देश कमजोर होता जा रहा है। महात्मा गांधी ने जो दर्शन दिया, वह भारत को मजबूत बनाने का दर्शन है। इसे हम सभी को धारण करना होगा।

हम प्राय: एक गीत सुनते हैं और कभी गुनगुनाते भी हैं। ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी। कहने भर के लिए यह एक गीत ¤ष्ठ लेकिन इसके प्रत्येक शब्द में एक प्रेरणा है। जिन महापुरुषों ने भारत की आने वाली पीढ़ियों के लिए आजादी दिलाई, उनके संघर्ष को हम भूल *□ष्ठ उनकी कुर्बानी को विस्मृत कर दिया। आज हमारी आंखों में उन शहीदों की गाथा सुनकर पानी नहीं आता। इससे ऐसा लगता है कि आज का समाज संवेदना रहित हो गया है। आज के समय में एक बार फिर से अपने मन में राष्ट्र के प्रति संवेदना जगाने की आवश्यकता है।

मेरा सभी देश वासियों से आग्रह है कि आज देश के लिए मर मिटने की आवश्यकता नहीं, देश के लिए जीने की आवश्यकता है। जिसने देश के लिए जीना सीख ढ्ढच्छष्ठ वह अपने राष्ट्रीय कर्तव्य की कसौटी पर हर परीक्षा में पास होता जाएगा। जो बलिदान हो गए, उनको और उनके सपने को साकार करने के लिए हम सभी को राष्ट्रीय भाव के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। हमें यह भी याद रखना होगा कि हमारी विरासत हमारा गौरव है। यह विरासत भारत के महापुरुषों ने ही बनाई है। हम सभी इस विरासत को बचाने के लिए मन से तैयार हो जाएं, यह राष्ट्र को फिर से एक मजबूत आधार प्रदान करेगा। जो आने वाली पीढी के लिए एक सुखमय भारत का निर्माण करेगा।

अंत में यही कहना चाहूंगा कि भारत अति प्राचीन राष्ट्र है। यहां सांस्कृतिक विरासत है। इस विरासत को सहेजना भी हमारी जिम्मेदारी है। मैं इस गाने की पंक्तियों के साथ अपनी बात समाप्त करूंगा।

अपनी आजादी को हम हरगिज भुला सकते नहीं।

सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं। भारत माता की जय। (लेखक – सुरेश हिन्दुस्थानी/ ईएमएस) (वरिष्ठ पत्रकार)

शब्द पहेली - 8099

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8098 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अब नहीं दिखेगी जर्सी नंबर 16

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश की जर्सी नंबर 16 को रिटायर करने का फैसला किया है। स्टार खिलाड़ी ने हाल ही में संपन्न हुए पेरिस खेलों में देश को लगातार दूसरा ओलंपिक पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने संन्यास का एलान कर दिया। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने घोषणा करते हुए बताया कि लगभग दो दशक तक 16 नंबर की जर्सी पहनने वाले 36 वर्षीय श्रीजेश जूनियर हॉकी टीम के राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएंगे।

मोर्ने मोर्कल टीम इंडिया के बॉलिंग कोच बने

मुंबई (ईएमएस)। 39 साल के पूर्व साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मोर्ने मोर्कल भारतीय क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच बनाए गए हैं। वे 1 सितंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने बुधवार को यह जानकारी दी। मोर्कल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच रह चुके हैं। हेड कोच गौतम गंभीर ने मोर्कल को बॉलिंग कोच बनाने की मांग की थी। दोनों आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए साथ में काम कर चुके हैं।

मोर्कल पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे की जगह लेंगे। म्हाम्ब्रे का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका था, लेकिन मोर्कल निजी कारणों से श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया से नहीं जुड़ पाए। ऐसे में बीसीसीआई ने साईराज बहुतुले को बतौर बॉलिंग कोच भेजा था।

भारत में पदक विजेताओं की इनामी राशि पर कोई टैक्स नहीं , फ्रांस में खिलाड़ियों को देना होगा टैक्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ियों ने एक भी स्वर्ण नहीं जीता और उसे एक रजत और पांच कांस्य पदक मिले हैं। इन खेलों में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को रजत मिला जबकि निशानेबाज मनु भाकर, सरबजीत सिंह व स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सहरावत को कांस्य पदक मिला है। इसके अलावा भारतीय हॉकी टीम को भी कांस्य पदक मिला है। अब इन खिलाड़ियों को जमकर इनाम मिल रहे हैं। सरकार के अलावा बड़ी कंपनियों से भी इन्हें नगद राशि के अलावा अन्य कई इनाम मिल रहे हैं। ये सभी इनाम टैक्स फ्री होंगे और खिलाड़ियों को पूरी रकम मिलेगी।

वहीं ओलंपिक के आयोजक रही फ्रांस सरकार ने भी स्वर्ण पदक के लिए 80,000 यूरो, रजत के लिए 40,000 यूरो और कांस्य के लिए 20,000 यूरो देने की घोषणा की है पर इस राशि पर टैक्स लगेगा जबकि भारत में विजेता खिलाड़ियों की इनामी राशि पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने साल 2014 की एक अधिसूचना में साफ किया था कि केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा ओलंपिक, राष्ट्रमंडल या एशियाई खेलों के पदक जीतने वालों को दिए गए पुरस्कार पर आयकर नहीं लगेगा।

ऐसे में मनु भाकर और सरबजीत सिंह को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की पुरस्कार योजना के तहत 30 लाख रुपये और 22.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जो कि टैक्स-फ्री होने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब और ओडिशा राज्य सरकारों से भारतीय हॉकी टीम को मिलने वाले पुरस्कार भी टैक्स-फ्री होंगे

बीसीसीआई ने बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबलों को लेकर बदलाव किया

मुम्बई (ईएमएस)।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2024-25 के लिए भारतीय टीम के कार्यक्रम में थोड़ा सा बदलाव किया है। बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एक-एक मैच का स्थल बदला गया है।

इसके तहत 6 अक्टूबर 2024 को धर्मशाला में होने वाला मैच अब ग्वालियर में खेला जाएगा। इसका कारण है कि हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के ड्रेसिंग रूम को बेहतर बनाने का काम चल रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में जबकि दूसरा मैच 27 सितंबर से कानपुर में होगा। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत ही होगी। इसके बाद भारतीय टीम एक टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस सीरीज का पहला टी20 मुकाबला 6 अक्टूबर को ग्वालियर में जबकि दूसरा टी20 मैच 9 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं तीसरा टी20 मैच 12 अक्टूबर को हैदराबाद में होगा। इसके अलावा बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले और दूसरे टी20 मैचों के स्थल में भी बदलाव किया है। पहला टी20 मैच चेन्नई की जगह कोलकाता में 22 जनवरी 2025 को खेला जाएगा। दूसरा टी20 मैच 25 , तीसरा टी20 मैच 28, चौथा टी20 मैच 31 और पांचवा टी20 मैच 2 फरवरी को खेला जाएगा. इसके बाद एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होगी.

भारत और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज का पहला एकदिवसीय मुकाबला नागपुर में 6 फरवरी 2025 को खेला जाएगा जबकि दूसरा एकदिवसीय कटक में 9 फरवरी को खेला जाएगा। तीसरा एकदिवसीय अहमदाबाद में 12 फरवरी को होगा।

बेट्स, कीथ थॉमसन सहित कई क्रिकेटरों ने ओलंपिक में खेले हैं दूसरे खेल

लॉस एंजिल्स (ईएमएस)। अगली बार अमेरिका के लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट के मुकाबले भी देखने को मिलेंगे। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट के ये सभी मुकाबले टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इससे पहले 1900 में भी क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया गया था पर बाद में बाहर कर दिया गया। 1900 के बाद क्रिकेट कभी ओलंपिक का हिस्सा नहीं रहा हालांकि कुछ तब के कुछ क्रिकेटरों ने ओलंपिक में अन्य खेलों में भी भाग लिया था और ये विजेता भी रहे थे।

न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर सूजी बेट्स ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में न्यूजीलैंड की बास्केटबॉल टीम से खेला था। बेट्स टी20 और वनडे की दुनिया की बेहतरीन क्रिकेटरों में होती है। 36 साल की बेट्स अभी भी क्रिकेट में सक्रिय हैं। दाएं हाथ की बैटर और मध्यम गति की बॉलर के तौर पर उन्होंने अब तक 163 एकदिवसीय और 162 टी20 खेले हैं

क्लाउड बकेनहैम : क्लाउड बकेनहैम क्रिकेट से अलावा किसी अन्य गेम में ओलंपिक में भाग लेने वाले पहले क्रिकेटर हैं। साल 1900 के ओलंपिक में हालांकि क्रिकेट का खेल शामिल था पर बकेनहैम ने इन खेलों में ब्रिटेन की ओर से फुटबॉल खेला। ब्रिटेन ने ओलंपिक में तब फुटबॉल में स्वर्ण जीता। बकेनहैम ने बाद में 1910 में तेज गेंदबाज के तौर पर इंग्लैंड के लिए चार टेस्ट खेले और 21 विकेट हासिल करने के अलावा 43 रन बनाए।

जॉनी डगलस : 1908 के लंदन ओलंपिक में जॉनी डगलस ने मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता। ऑलराउंडर डगलस ने बाद में इंग्लैंड की ओर से 23 टेस्ट मैच (1911-1925) खेले और 29.15 के औसत से 962 रन बनाए जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे।

जैक मैकब्रायन : जैक मैकब्रायन वर्ष 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली ब्रिटेन की हॉकी टीम के सदस्य थे। हॉकी के अलावा मैकब्रायन क्रिकेट के भी अच्छे खिलाड़ी थे और 1924 में इंग्लैंड की ओर से एक टेस्ट खेले। हालांकि इस टेस्ट में उन्हें न बल्लेबाजी का मौका मिला और न बल्लेबाजी 206 फर्स्ट क्लास मैचों में मैकब्रायन के नाम 18 शतक ओर 10 हजार से अधिक रन हैं।

ब्रायन बूथ : ब्रायन बूथ मेलबर्न में 1956 में हुए ओलंपिक में वे ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम के सदस्य थे। उनकी टीम हालांकि ओलंपिक में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी। ओलंपिक के अलावा कुछ अन्य मैचों में भी वे ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीम में शामिल थे। बूथ बाद में 1961 से लेकर 1966 तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में भी शामिल रहे

दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट के लिए दावेदारी पेश करेंगे अर्शदीप

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब अगले माह होने वाली दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। अर्शदीप को इसमें प्रदर्शन के आधार पर टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। अर्शदीप ने पिछले कुछ समय में सीमित ओवरों के प्रारुप में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 विश्वकप में भी उनकी गेंदबाजी काफी अच्छी रही थी। विश्वकप में अर्शदीप ने 17 विकेट लिए थे।

ऐसे में अटकलें हैं कि अर्शदीप को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट क्रिकेट में अवसर मिल सकता है। इसी कारण उन्हें दलीप ट्रॉफी के कुछ मुकाबले खेलने को कहा गया है। अर्शदीप ने 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। तब भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। उस समय इस तेज गेंदबाज ने 10 विकेट लिए थे। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

૭૮મું
સ્વાતંત્ર્ય પર્વ
રાજ્ય મહોત્સવ
૧૫ ઑગસ્ટ
ખેડા-નડિયાદ
૨૦૨૪

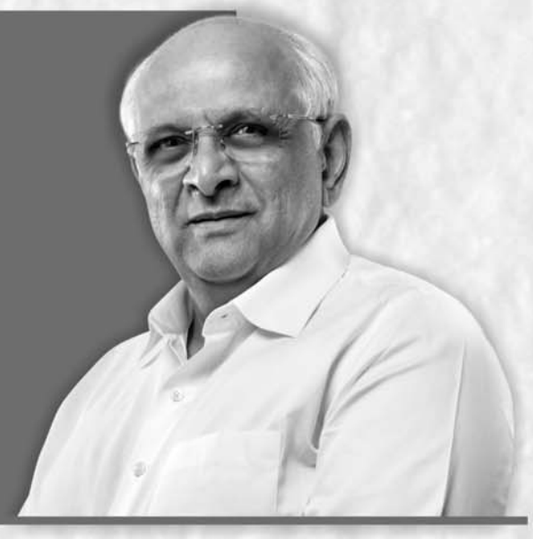

स्वतंत्रता वीरों और संतों की तपोभूमि
खेडा-नडियाद में
७८वें स्वतंत्रता पर्व का उत्सव

माननीय मुख्यमंत्री
श्री भूपेन्द्रभाई पटेल की उपस्थिति में
राज्य स्तरीय ध्वजवंदन समारोह

दिनांकः १५ अगस्त, २०२४ समयः सुबह ९:०० बजे
स्थानः परेड ग्राउंड, एस.आर.पी. ग्रुप-७, कपडवंज रोड, नडियाद, जिलाः खेड़ा

प्रगतिशील गुजरात से विकसित भारत का निर्माण

- प्रधानमंत्री आवास योजनाः राज्य में १४ लाख से अधिक आवासों का निर्माण कार्य पूरा
- सेमीकण्डक्टर चिप के क्षेत्र में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा गुजरात
- "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत राज्य में लगाए जाएंगे १७ करोड़ पौधे
- सोलर रूफटॉप इन्स्टॉलेशन में गुजरात देशभर में अग्रणी
- कच्छ में विश्व के सबसे बड़े ३७ गीगावॉट सोलर-विंड हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क का निर्माण कार्य प्रगति पर
- मिशन स्कूल ऑफ एक्सीलेंसः राज्य में ५० हजार से अधिक वर्गखण्ड, १.१० लाख स्मार्ट क्लासरूम्स, २१,००० कम्प्यूटर लैब्स और ५००० STEM लैब्स का निर्माण
- राज्य में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए प्रदेश के विभिन्न स्थानों में अत्याधुनिक खेल परिसरों का होगा निर्माण
- यूनेस्को ने कच्छ स्थित स्मृतिवन को दुनिया के सबसे खूबसूरत संग्रहालयों की सूची में किया शामिल

વિકસિત ગુજરાત થકી વિકસિત ભારતનું નિર્માણ

सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

एलआरडी परीक्षा में कदाचार करनेवाले 37 उम्मीदवार 3 साल के लिए अयोग्य घोषित

14 अगस्त, 2024

पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने राज्य में पीएसआई और लोक रक्षक भर्ती को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, पीएसआई और लोक रक्षक भर्ती फॉर्म भरने के लिए 26 अगस्त से 9 सितंबर तक पोर्टल खोला जाएगा। इसकेसाथ ही फॉर्म भरते समय डुप्लीकेसी की समस्या से बचने के लिए एक अहम फैसला लिया गया है.

राज्य में 26 अगस्त से पीएसआई और लोकरक्षक भर्ती की घोषणा की गई है, पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने पहले लोकरक्षक भर्ती 2021 के लिए फॉर्म भरा था, अगर उन्होंने स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली है, तो उन्हें फॉर्म भरना होगा केवल पीएसआई भर्ती के लिए। वहीं इन अभ्यर्थियों को लोकरक्षक भर्ती के लिए दोबारा फॉर्म भरने की जरूरत नहीं होगी.

पब्लिक गार्ड भर्ती में गड़बड़ी करने पर 37 अभ्यर्थी 3 साल के लिए अयोग्य घोषित यहां बता दें कि गुजरात सरकार ने लोकरक्षा भर्ती में गड़बड़ी करने वाले 37 अभ्यर्थियों के खिला फ सख्त कार्रवाई की है. इन उम्मीदवारों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने और उन्हें अयोग्य घोषित करने का निर्णय लिया गया है.

राज्य सरकार द्वारा लोकरक्षक परीक्षा तीन साल पहले यानी 2021 में आयोजित की गई थी। हालांकि परीक्षाकेसमय ही कदाचार का मामला सामने आ गया. जिसमें दो अभ्यर्थियों के पास से परीक्षा के समय मोबाइल औरसाहित्यबरामदहुआ. इसके अलावा तीन अन्य अभ्यर्थियों ने कॉल लेटर में छेड़छाड़ की। अब राज्य सरकार ने इस गड़बड़ी पर सख्त कार्रवाई की है और कुल37 उम्मीदवारों को 3 साल के लिए सरकारी भर्ती से अयोग्य घोषित कर दिया गया है.

यह फैसला राज्य सरकार ने लिया है. जिसमें भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हसमुख पटेल ने सोशल मीडिया एक्स (एक्स) पर लिखा कि, 'राज्य सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा भर्ती 2021 में भर्ती प्रक्रिया के दौरान कदाचार करने वाले 37 उम्मीदवारों को अगले तीन वर्षों के लिए अयोग्य घोषित करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार की भर्ती।' गौरतलब है कि अभ्यर्थियों पर कार्रवाई की गयी है. उनके नाम लोकरक्षक भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर डाल दिए गए हैं।

सुरेंद्र नगरः स्कूली बच्चों को सावरकर की फोटो वाली टी-शर्ट पहनाने पर विवाद

अहमदाबाद, 14

गुजरात में स्कूली बच्चों की टी शर्ट पर वीर सावरकर की तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने सुरेंद्र नगर जिले के सरकारी स्कूल द्वारा सावरकर की तस्वीर वाली फोटो पहनाकर तिरंगा यात्रा निकालने पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि यह गलत है। गांधी की हत्या में जिस व्यक्ति को ऊपर साजिश रचने के आरोप लगे। उन सावरकर की फोटो पहनाना सही नहीं है। स्कूल के बच्चों को यह टी शर्ट ड्रेस के ऊपर पहनाई गई थी। स्कूल के शिक्षकों कहा कहना है कि ये टी-शर्ट किसी ने दान में गिफ्ट की थी। कांग्रेस की आपत्ति पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी ने कहा है कि छोटे बच्चों के सामने वीर सावरकर को गांधी जी का हत्यारा बताना अपमान है। बीजेपी ने पूछा है कि किस प्रकार की मानसिकता है।

गुजरात में बीजेपी की तिरंगा यात्रा और कांग्रेस की न्याय यात्रा के बीच वीर सावरकर की तस्वीर को लेकर विवाद हो गया है। कांग्रेस ने सुरेंद्र नगर जिले में छोटे बच्चों को वीर सावरकर की फोटो वाली टी शर्ट पहनाने पर आपत्ति व्यक्त की है। कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला भी बोला है। गुजरात में कांग्रेस न्याय यात्रा निकाल रही है

मूर्ति विसर्जन के दौरान 5 लोग साबरमती नदी में डूबे, 3 तीन की मौत, 2 की तलाश जारी

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में अमावस्या से शुरू हुए दशा मां का व्रत कर रहे श्रद्धालु अब उनकी प्रतिमा का नदियों में विसर्जन करने लगे हैं। गांधीनगर में दशा मां की मूर्ति विसर्जित करने साबरमती नदी पर पहुंचे 5 लोग पानी में डूब गए। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोगों की दमकलकर्मी नदी में तलाश कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर में दशा मां का विसर्जन करने गए पांच लोग साबरमती नदी में डूब गए। हालांकि 5 में से 2 लोगों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया है। बताया जाता है कि गांधीनगर में सेक्टर-30 के पास साबरमती नदी में संतुलन बिगड़ने से गिरे एक शख्स को बचाने की कोशिश में 5 लोग डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और लड़की, महिला और पुरुष के शवों को बाहर निकाल लिया हैं। जबकि नदी में लापता दो लोगों की तलाश जारी हैं।

त्योहारों पर 11 हजार से ज्यादा अतिरिक्त बसों को संचालन करेगा जीएसआरटीसी

अहमदाबाद (ईएमएस) आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त 11 हजार से अधिक बसों का संचालन करेगी। रक्षाबंधन और जन्माष्टमी जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जीएसआरटीसी ने यह अहम फैसला किया हैं। इसके अंतर्गत यात्रियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जीएसआरटीसी 11700 जितनी अतिरिक्त बसों का संचालन करेगी। जीएसआरटीसी ने घोषणा की है कि रक्षा बंधन के अवसर पर 17 से 20 अगस्त तक 6,200 अतिरिक्त यात्राएं संचालित की जाएंगी। इसके साथ ही जीएसआरटीसी की ओर से निर्णय लिया गया है कि 24 से 27 अगस्त तक जन्माष्टमी के अवसर पर 5,500 अतिरिक्त यात्राएं संचालित की जाएंगी। इन त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त बसों का संचालन करने का फैसला किया गया है। खासकर डाकोर, शामलाजी और द्वारका सहित धार्मिक स्थानों पर जाने के लिए अधिक बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, जामनगर और मेहसाणा सहित विभिन्न शहरों में अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा, ताकि त्योहारों के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा ना हो।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नडियाद में हिन्दू अनाथ आश्रम का दौरा किया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को नडियाद पहुंचे और सरदार साहब के जन्म स्थल के दौरे से अपने कार्यक्रमों की शुरुआत की। उसके बाद मुख्यमंत्री ने हिन्दू अनाथ आश्रम का दौरा किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हिन्दू अनाथ आश्रम के अध्यक्ष दिनशा पटेल एवं ट्रस्टियों ने आश्रम पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हिन्दू अनाथ आश्रम में गांधी सरदार स्मृति भवन में स्थित गांधी और सरदार पटेल की प्रतिमा पर सूत की माला पहनाकर वंदन किया। मुख्यमंत्री ने भवन के म्यूजियम में जाकर वहां चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने हिन्दू अनाथ आश्रम के ट्रस्टियों और समिति के सदस्यों के साथ आश्रम के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विचार-विमर्श किया। आश्रम के सबसे छोटे बालक ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया, तब मुख्यमंत्री ने बच्चे के कंधे पर हाथ रख उसे दुलार किया। बाद में मुख्यमंत्री ने आश्रम में वृक्षारोपण भी किया।

गुजरात हाईकोर्ट का गाडियों पर लाल बत्ती और सायरन के खिलाफ सख्त कार्यवाही का आदेश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने कारों में लाल बत्ती और वीआईपी कल्चर के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया हैं। हाईकोर्ट ने लाल बत्ती और सायरन को लेकर सरकार से जवाब मांगा हैं। हाईकोर्ट ने कार पर लगी लाल बत्ती हटाने के आदेश दिए हैं। गुजरात हाईकोर्ट इस बात से नाराज है कि आदेश का पालन नहीं किया जा रहा हैं। अपने आदेश का पालन करने के लिए हाईकोर्ट ने कार्रवाई के लिए 7 दिन का समय दिया हैं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि वीआईपी लोग 7 दिन के अंदर गाड़ी से लाल बत्ती और सायरन हटा लें। सायरन नहीं हटाने पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग और गृह विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी किया हैं। 2014 में गुजरात हाई कोर्ट ने आदेश दिया था और बाद में केंद्र सरकार के आदेश के बावजूद उसका पालन नहीं करने पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपना लिया हैं। जानकारी के मुताबिक ऐसी शिकायतें मिली हैं कि केंद्र सरकार के आदेश के बाद भी कलेक्टर, एसडीएम, सचिव और पदाधिकारी थ्रेसर लाइट और सायरन का इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2014 में गुजरात हाई कोर्ट ने पुलिस, फायर, एंबुलेंस और इमरजेंसी के अलावा अन्य अधिकारियों और विभागों पर लाल बत्ती और सायरन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था। हाईकोर्ट को शिकायत मिली कि उसके आदेश का पालन नहीं किया जा रहा। अब गुजरात हाई कोर्ट ने इस संबंध में गुजरात राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा हैं। यह भी कहा गया है कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया और हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना की गई तो अवमानना की कार्रवाई की जायेगी।

ममता के सांसद पर धन के दुरुपयोग का आरोप ईडी ने बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद की विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले के खिलाफ आरोप तय किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि सांसद गोखले के खिलाफ क्राउड फंडिंग के द्वारा जुटाए गए धन के दुरुपयोग को लेकर गुजरात पुलिस की एफआईआर के आधार पर कार्रवाई की है। ईडी ने कहा कि अहमदाबाद (ग्रामीण) विशेष अदालत ने टीएमसी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता गोखले के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून 2002 के तहत आपराधिक आरोप तय किए।

मामले में सांसद गोखले के खिलाफ पिछले साल आरोपपत्र दायर किया गया था। ईडी ने गोखले को जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया था। इसके पहले गुजरात पुलिस ने उन्हें दिसंबर 2022 को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। ईडी ने कहा कि विशेष अदालत ने सीआरपीसी की धारा 309 के तहत गोखले की ओर से दायर आवेदन को खारिज किया था, जिसमें उनके खिलाफ दर्ज अनुसूचित अपराध के मामले का फैसला होने तक पीएमएलए के तहत कार्यवाही को स्थगित रखने की मांग की गई थी। आरोप है कि क्राउड फंडिंग से जुटाए धन को गोखले ने अपने ऊपर खर्च किया, जिनमें शेयर बाजार में इंट्रा डे ट्रेडिंग, क्रेडिट कार्ड बिल आदि के भुगतान शामिल हैं।

15 अगस्त को गुजरात के 25 पुलिसकर्मी राष्ट्रपति पदक से होंगे सम्मानित

अहमदाबाद (ईएमएस) कल 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर देश के 1037 सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रपति वीरता और सेवापदक देकर सम्मानित करेंगी। राष्ट्रपतिद्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के 25 पुलिसकर्मियों को मेडल देने की घोषणाकीहैं। भारतका 78वां स्वतंत्रता दिवस कल गुजरात समेत देशभर में मनाया जाएगा। राज्य के विभिन्न जिलों में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए ध्वजारोहण के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट सेवा और सराहनीय कार्य करने वाले सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रपति द्वारा वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक इस साल देशभर के 1037 सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रपति पदक देकर सम्मानित किया जाएगा। जिनमें से गुजरात के 25 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक देकर सम्मानित किया जाएगा।

इसके अंतर्गत सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने वाले अधिकारियों की सूची में अशोक कुमार मुनिया (कमांडेंट), राजेंद्र सिंह चुडासमा (कमांडेंट), सजन सिंह परमार (एसपी), बिपिन ठाकेर (डीवायएसपी), दिनेश चौधरी (डीएसपी), नीरव सिंह गोहिल (एसपी), कृष्णकुमार सिंह गोहिल (डीएस पी) जुगलकुमार पुरोहित (डीएसपी) करन सिंह पंथ (सब इंस्पेक्टर), हरसु खलाल राठौड़ (एएसआई) अश्विन कुमार श्रीमाली (सब इंस्पेक्टर), विजय कुमार पटेल (एएसआई), बशीर मुद्रक (एएसआई), ईश्वर सिंह सिसौदिया (सब इंस्पेक्टर) रमेश पटेल (हेड कांस्टेबल),किशोर सिंह सिसौदिया (सब इंस्पेक्टर), प्रकाश पटेल (सशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक), महिपाल पटेल (हेड कांस्टेबल), धर्मेंद्र सिंह वाघेला (सब इंस्पेक्टर) शामिल हैं। जबकि होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा में सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची में संजयभाई वसावा (सीनियर प्लाटून कमांडर), पासाभाई झाला (हवलदार क्लर्क), बृजेश शाह (डिप्टी चीफ वार्डन) मेहुल सोरठिया और (डिप्टी चीफ वार्डन) शामिल हैं।

साबरमती-पटना स्पेशल ट्रेन का इन स्टेशनों पर आगमन-प्रस्थान के समय में आंशिक परिवर्तन

अहमदाबाद (ईएमएस) रेल प्रशासन द्वारा तकनीकी कारणों से ट्रेन संख्या 09405 साबरमती-पटना स्पेशल ट्रेन का 27 अगस्त 2024 से उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर, फुलेरा और जयपुर स्टेशनों पर आगमन-प्रस्थान के समय में आंशिक बदलाव किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09405 साबरमती-पटना स्पेशल का ट्रेन का आगमन-प्रस्थान का समय अजमेर स्टेशन पर 01.55/02.05 बजे के स्थान पर 01:45/01.55 बजे, फुलेरा स्टेशन पर 03.11/03.13 बजे के स्थान पर 03.01/03.03 बजे तथा जयपुर स्टेशन पर 04.00/04.10 बजे के स्थान पर 03.50/04.00 बजे रहेगा।

रेल यात्री इस ट्रेन के परिचालन समय एवं ठहराव से संबंधित नवीनत्तम अपडेट्स की जानकारी के लिए वेबसाइट ै.ग्हिलिब.ग्ह्हिग्तुदन.ग्ह का अवलोकन कर सकते हैं।

एसओजी ने एक करोड़ की ड्रग्स तस्करी मामले में फरार आरोपी शहबाज आलम खान गिरफ्तार किया

सूरत (ईएमएस) सूरत एसओजी ने एमडी ड्रग्स मामले में फरार मुख्य आरोपी शहबाज आलम खान को उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब वह नेपाल से सूरत पहुंचा था। आरोपी अपने दो अन्य साथियों के साथ ट्रेन के जरिए मुंबई से सूरत तक ड्रग्स की तस्करी करता था। आरोपी को प्रत्येक मादक पदार्थ तस्करी के लिए 5000 से 15 हजार रुपये तक का कमीशन मिलता था। दरअसल कुछ समय पहले सूरत एसओजी ने ड्रग्स की डिलीवरी और लेने वाले लोगों को पकड़ने के लिए रामपुरा इलाके में लालमिया मस्जिद के पास छापेमारी की। उस दौरान मुख्यआरोपीशहबाज आलम खान एक करोड़ के ड्रग्स केथैले को फैंक फरार हो गयाथा। रामपुराअखाड़ा स्ट्रीट निवासी और वेस्टेज यार्न के व्यापारी शहबाज आलम इर्शाद हुसैन खान अपने दो साथियों के साथ मुंबई से एक करोड़ की एमडी ड्रग्स लेकर आया था। रामपुरा के काशिफ इकबाल उर्फ पसीना शेख ने यह ड्रग्स मंगवाया था। डिलीवरी के वक्त ही सूरत एसओजी ने छापामारी की और काशिफ को एक करोड़ की ड्रग्स के साथ दबोच लिया था। काशिफ से पूछताछ में आरोपियों के नाम सामने आने पर कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एमडी ड्रग्स मामले में शहबाज आलम की मुख्य भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने उसकी सरगर्मी से तलाश तेज कर दी। एसओजी की टीम आरोपी शहबाज की तलाश में उसके मूल निवास स्थान उत्तर प्रदेश के संत कबीर जिले में भी गई थी लेकिन वहां भी शहबाज के ना मिलने पर सूरत एसओजी की टीम खाली हाथ लौट आई। पता चला कि मुख्य आरोपी शहबाज आलम नेपाल भाग गया हैं। इस बीच लालगेट पुलिस को सूचना मिली कि शहबाज आलम नेपाल से सूरत लौट आया हैं। सूचनाके आधार पर पुलिस ने लालगेट इलाके में घूम रहे आरोपी शहबाज आलम खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी शहबाज ने बताया कि वह मोहम्मद काशिफ समेत दो साथियों के साथ ट्रेन से मुंबई से सूरत तक ड्रग्स ला रहा था। शहबाज ने बताया कि एक ट्रिप के लिए करीब 15000 रुपये का कमीशन दिया मिलता था। पूछताछ में यह भी पता चला कि शहबाज भी ड्रग्स का सेवन करता है। हांलाकि आरोपी शहबाज की इस बात पर पुलिस को यकीन नहीं हो रहा कि उसने अब तक सिर्फ तीन बार ड्रग्स की हेराफेरी की हैं। फिलहाल सूरत पुलिस ने नशे के कारोबार में शामिल मुख्य आरोपी शहबाज आलम खान को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी हैं।

गुजरात के साथ कृषि, डेयरी उद्योग, सहकारिता, रिन्यूएबल एनर्जी समेत सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाएगा न्यूजीलैंड

गांधीनगर (ईएमएस) न्यूजीलैंड के नौ सदस्यीय शिष्टमंडल ने बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। न्यूजीलैंड के कृषि, वानिकी व्यापार एवं विदेश मामलों के सहायक मंत्री टॉड मैक्ले और भारत स्थित न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक राटा के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गुजरात के साथ रणनीतिक साझेदारी के लिए मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ इस मुलाकात बैठक में उन्होंने गुजरात के साथ कृषि, डेयरी उद्योग, सहकारिता, रिन्यूएबल एनर्जी और पर्यटन क्षेत्र में सहयोग तथा दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को लंबे समय तक सौहार्दपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने के लिए उत्सुकता दिखाई।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-न्यूजीलैंड के संबंध विकसित हुए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गुजरात इन द्विपक्षीय संबंधों को और आगे ले जाएगा। मुख्यमंत्री ने गुजरात में गाय आधारित खेती से किसानों की आय दुगुनी करने का अपना संकल्प साझा किया। उन्होंने गुजरात और न्यूजीलैंड को कृषि-सहकारिता एवं डेयरी क्षेत्र के लिए लाभदायी 'कृषक विनिमय कार्यक्रम' शुरू करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने शिष्टमंडल के समक्ष ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की वैचारिकी को समृद्ध करने के लिए समय-समय पर बैठक और कार्यशालाओं के आयोजन की इच्छा भी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गुजरात दूध उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। इतना ही नहीं, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन जैसे क्षेत्रों में भी गुजरात आगे है और न्यूजीलैंड के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने न्यूजीलैंड में बसे परिश्रमी गुजराती समुदाय के संबंध में भी चर्चा की और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और भी घनिष्ठ बनाने के लिए नियमित बैठकों के आयोजन का दृष्टिकोण विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने गुजरात के पर्यटन आकर्षणों का उल्लेख करते हुए न्यूजीलैंड से आने वाले सैलानियों को गुजरात के विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ के सफेद रण (रणोत्सव) और गिर के जंगल जैसे स्थानों पर जाने के लिए प्रेरित किया।

न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले ने बताया कि वे डेयरी और सहकारिता क्षेत्र में गुजरात-न्यूजीलैंड के बीच पारस्परिक संबंधों को विकसित करने के लिए गुजरात में शिष्टमंडल को लेकर आने पर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ सहयोग को लेकर भी चर्चा की और पशु स्वास्थ्य सुविधाओं में वैल्यू एडिशन आधारित प्रयासों से दूध उत्पादन में वृद्धि का अपना अनुभव साझा किया। न्यूजीलैंड के मंत्री ने कहा कि गुजरात राज्य के साथ वेस्ट टू बायोएनर्जी सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग की बेहतर संभावनाएं हैं। उन्होंने गुजरात और न्यूजीलैंड के किसान समुदाय के पारस्परिक लाभ के लिए पशु चिकित्सकों का विनिमय कार्यक्रम भी शुरू करने की संभावना व्यक्त की।

राज्य सरकार का अहम फैसलाः जेल से रिहा होंगे 86 कैदी

गांधीनगर,14 अगस्त

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राज्य की जेलों में अच्छे आचरण वाले कैदियों के लिए एक अहम फैसला लिया गया है. डी.टी. स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या यानी 15 अगस्त को 86 और कैदियों को जेल से रिहा किया जाएगा. राज्य की जेलों में अच्छा आचरण रखने वाले पात्र कैदियों को रिहा करने के इस निर्णय से इन कैदियों को अपने परिवार के साथ जीवन जीने का एक नया मौका मिलेगा।

भारत सरकार द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित श्रेणियों के कैदियों को राज्य माफी दी गई है। इससे पहले, 2023 में 103 कैदियों को और 2024 में 248 कैदियों को राज्य माफी के साथ रिहा किया गया था। जिनमें से 86 कैदियों को रिहा कर दिया गया है. इसके साथ ही गुजरात में वर्ष 2023 और 2024 के दौरान कुल 351 कैदियों को राज्य माफी का लाभ दिया गया है।

शारीरिक विकलांगता और खेल का झूठा प्रमाण पत्र जमा कर वेतन ले रहे हैं शिक्षकः कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया सह-संयोजक और प्रवक्ता हेमांग रावल ने कहा कि गुजरात में भाजपा सरकार के तीन दशकों के शासन ने कई घोटालों और शिक्षित बेरोजगारों के साथ अन्याय का कीर्तिमान स्थापित किया है। एक तरफ लाखों अभ्यर्थी शैक्षणिक सहायकों की भर्ती के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें ज्ञान सहायक बनाकर संविदा प्रथा का शिकार बनाया जा रहा हैं। भाजपा सरकार बेशर्मी की सारी हदें पार कर चुकी है। राज्य में लाखों युवा बेरोजगार बैठे हैं, लेकिन सरकार के जिम्मेदार अधिकारी अपनों को नौकरी दिलाने के प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद शर्म करने की बजाय भाजपा सरकार डींगे हांक रही है और ऐसी धांधली पर आंखें मूंदे बैठी हैं। उन्होंने कहा कि इस घोटाले की जानकारी गृह मंत्री हर्ष संघवी और शिक्षा सचिव को भी थी, उनके सामने यह मामला प्रमाण सहित लाया गया फिर भी यह खेल चलता रहा। वर्ष 2010 में गुजरात में खेड़ा जिले में 141 शिक्षण सहायकों की भर्ती का विज्ञापन प्रकाशित हुआ था। 141 भर्तियों के साथ ही 23 ऐसे आदेश दिए गए जिन पर अभ्यर्थियों ने आवेदन ही नहीं किया। इसके अलावा, इन उम्मीदवारों ने डुप्लिकेट विकलांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। पीटीसी विद्यासहायक में सामान्य वर्ग में 63 की जगह 67 अभ्यर्थियों को लिया गया। जबकि साइंस स्ट्रीम में 3 और उम्मीदवारों की भर्ती की गई। इसी तरह अन्य विभागों में भी गलत तरीके से अभ्यर्थियों की नियुक्ति की गयी। सरकारी विभाग में घोषित 141 सरकारी शिक्षकों के वेतन को बजट में दर्शाया जाना तो उचित है, लेकिन अब इन अतिरिक्त 23 शिक्षकों को वेतन का भुगतान कैसे और किस मद से किया जा रहा है, यह आश्चर्य की बात है। यह करोड़ों रुपये का सुनियोजित भ्रष्टाचार हैं। ये भ्रष्टाचार पिछले 14 साल से चल रहा हैं। 14 साल से यह भाजपा सरकार अनियमितताओं के पीछे जनता का पैसा बर्बाद कर रही है। भ्रष्ट भाजपा सरकार 30 वर्षों से राज्य के बेरोजगारों और युवाओं के साथ अन्याय कर रही है। वर्ष 2008 में खेल अंकों को मेरिट में गिनने का निर्णय लिया गया। पिछले 13 वर्षों से खेलो इंडिया ने रमशे गुजरात और जीतशे के नारे के साथ गुजरात में करोड़ों रुपये खर्च किये गए हैं। खेलो इंडिया के तहत मोदी सरकार ने गुजरात को देश में सबसे ज्यादा 593 करोड़ का बजट आवंटित किया, लेकिन गुजरात कबड्डी एसोसिएशन नाम की संस्था ने इस स्थिति का फायदा उठाया और उम्मीदवारों को सर्टिफिकेट दे दिए। गुजरात कबड्डी एसोसिएशन के प्रमाण पत्र रखने वाले 84 शिक्षकों के बारे में पता चला तो उनका सत्यापन किया गया, जिसमें प्रमाण पत्र फर्जी निकले। इस कारण जामनगर शिक्षा प्रशासन ने उन्हें बर्खास्त कर दिया। इसी तरह वडोदरा में 33 शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया। लेकिन उसी संस्था गुजरात कबड्डी एसोसिएशन के प्रमाण पत्र के साथ 32 सरकारी शिक्षक, वर्तमान में खेड़ा जिले में काम कर रहे हैं और वेतन ले रहे हैं। वर्ष 2008 में 257 घोषित पदों पर अतिरिक्त 64 अभ्यर्थियों की भर्ती की गयी। प्रकाशित परिपत्र में यह उल्लेख किया गया था कि विज्ञापन में उल्लिखित रिक्ति के अतिरिक्त एक भी रिक्ति नहीं भरी जाये, यदि भरी जाती है तो इसकी जिम्मेदारी प्राथमिक शिक्षा अधिकारी की होगी। पिछले दिनों जब ईडर और खेड़ब्रह्मा में इसी तरह के भर्ती घोटाले उजागर हुए थे, तो तत्कालीन डीईओ, क्लर्क, लगभग 20 शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी और उनसे तीन गुना वेतन वसूला गया था। इसी प्रकार, पूर्व में गलत विकलांगता प्रमाण पत्र जमा करने वाले 21 अभ्यर्थियों को भर्ती से रोक दिया गया था और प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि चयन समिति में शामिल लोगों के बच्चों को गलत प्रमाणपत्र पेश कर नौकरी पाने की कोशिश की गयी और वे आज भी ड्यूटी पर हैं और वेतन ले रहे हैं। जब पश्चिम बंगाल और हरियाणा में ऐसे शिक्षक भर्ती घोटाले हुए तो सीबीआई ने जांच की और दोषी आज भी जेल में हैं। 2008 की वडोदरा जांच रिपोर्ट में कहा गया था कि यह घोटाला बहुत बड़ा है इसलिए इसकी जांच क्राइम ब्रांच से कराई जानी चाहिए। लेकिन, आज तक यह संभव नहीं हो सका हैं। इसके अलावा अमरेली, राजकोट, भावनगर जिले समेत अन्य जिलों में भी इस तरह का घोटाला होने की आशंका हैं।

''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में

अहमदाबाद मण्डल के 9 रेलवे स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 14 अगस्त 2024 को लोगों के संघर्ष एवं बलिदान की याद में ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' के रूप में मनाया गया। इस संदर्भ में अहमदाबाद मण्डल के अहमदाबाद, साबरमती, मणिनगर, कलोल, महेसाणा, पालनपुर, गांधीधाम, हिम्मतनगर एवं राधनपुर स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद ने जानकारी देते हुए बताया की 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने जाने की घोषणा की थी। यह दिवस देश के उन लोगों के संघर्ष व बलिदान की याद में मनाया जा रहा है। जिन्होंने अविवेक पूर्वक नफरत व हिंसा के कारण अपनी जान गवा दी।

मंडल के अहमदाबाद, साबरमती, मणिनगर, कलोल, महेसाणा, पालनपुर, गांधीधाम, हिम्मतनगर एवं राधनपुर स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई है। फोटो प्रदर्शनी उन लाखों नागरिकों की हृदय विदारक पीड़ा एवं मन में रही कसक को उजागर करने के लिए इतिहास के अमिट तथ्यों को प्रदर्शित करता है जिन्होंने देश विभाजन के समय इसे सहन किया। यह प्रदर्शनी पिछली शताब्दी में हुई मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाती है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को अपना जीवन गवाना पड़ा। 14 अगस्त 2024 को विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी कार्यक्रम में स्थानीय परम श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजनों को आमंत्रित कर अहमदाबाद रेल मंडल द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। साथ ही मंडल पर 9 से 15 अगस्त 2024 तक ''हर घर तिरंगा'' अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों के मन में देशभक्ति की भावना जगाना और जन-भागीदारी की भावना के साथ आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे से हमें नई ऊर्जा मिलती है। हर घर तिरंगा अभियान में रेल कर्मियों, उनके परिजनों एवं आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। स्टेशनों पर उद्घोषणा के माध्यम से लोगों को इस बारे में अवगत कराया जा रहा है।

नडियाद में 78वें स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री फहराएंगे तिरंगा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए 14 अगस्त, 2024 की दोपहर नडियादपहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मस्थल का दौरा कर सरदार साहब को भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित कर नडियाद में अपने कार्यक्रमों की शुरुआत की। इस अवसर पर सांसद देवुसिंह चौहान, विधायकपंकज भाई, कई पदाधिकारी और अधिकारी उपस्थित रहे।

भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस ट्रेन का पिंडवाड़ा स्टेशन पर ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 20983/20984 भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला-भुज एक्सप्रेस ट्रेन का पिंडवाड़ा स्टेशन पर प्रायोगिक आधार परठहराव देने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 20983 भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस ट्रेन का 16 अगस्त 2024 से पिंडवाड़ा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 00.42/00.44 बजे रहेगा।

ट्रेनसंख्या 20984 दिल्ली सराय रोहिल्ला-भुजएक्सप्रेस ट्रेन का 17अगस्त 2024 से पिंडवाड़ा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 01.50/01.52बजेरहेगा। रेल यात्री कृपयाट्रेनों के परिचालन समय एवं ठहराव से संबंधित नवीनत्तम अपडेट्स कीजानकारीकेलिए वेबसाइट www.enquiry.iaianrail.gov.in का अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नडियाद के सुप्रसिद्ध संतराम मंदिर के दर्शन किए

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'मानव सेवा ही ईश्वरसेवा है' की भावना को समर्पित नडियाद स्थित सुप्रसिद्ध संतराम मंदिर जाकर संतराम महाराज की समाधि स्थानक के दर्शन किए और अखंड ज्योति के समक्ष मंगलकामना की। मंदिर के संत श्री निर्गुण दास महाराज ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और उन्हें समाधि स्थान तक लेकर गए। श्री निर्गुण दास महाराज ने मुख्यमंत्री को संतराम महाराज एवं मंदिर की सेवा गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सांसद देवुसिंह चौहान सहित कई अग्रणी मौजूद रहे।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95